पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस)

त्रैमासिक न्यूज़लेटर: उद्घाटन संस्करण

मार्च 2024

एमडी की टिप्पणि

प्रिय पूर्व सैनिक और परिवार के सदस्यों,

मुझे अपने सभी सम्मानित सदस्यों और हितधारकों को हार्दिक बधाई देते हुए खुशी हो रही है क्योंकि हम पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) त्रैमासिक न्यूज़लेटर का उद्घाटन संस्करण प्रकाशन कर रहे है।

ईसीएचएस हमेशा एकजुटता के प्रतीक के रूप में खड़ा रहा है, जो हमारे दिग्गजों को उनके सेवा के बाद के जीवन में अटूट समर्थन प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य ईसीएचएस परिवार के भीतर संचार, पारदर्शिता और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देना है। इस मंच के माध्यम से, हमारा उद्देश्य अपने प्रिय पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को नवीनतम अपडेट, स्वास्थ्य और कल्याण युक्तियों और हमारे समुदाय के भीतर उल्लेखनीय घटनाओं के बारे में सूचित करना है। यह समाचार पत्र एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा, हमें पूर्व सैनिकों के साथ जोड़ेगा और सूचना और अनुभवों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करेगा।

यह आपकी योजना है। इसकी मजबूती और इसे प्रभावी बनाने में पूरे दिल से भाग लें। प्रतिक्रिया का स्वागत है और dir.pm@echs.gov.in में इस पहल के वास्तुकार कर्नल कौशिक रे को सूचित किया जा सकता है। आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना करता हूं।

नम्रतापूर्वक,

(मनोज नटराजन)
मेजर जनरल
प्रबंध निदेशक
भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना

संपादक की मेज से

आदरणीय पाठकों,

हमारे पूर्व सैनिकों की अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) त्रैमासिक समाचार पत्र के उद्घाटन संस्करण में आपका स्वागत करना मेरे लिए विलक्षण सम्मान और सौभाग्यपूर्ण है। हम अपने सम्मानित पूर्व सैनिकों को ईसीएचएस संबंधित नवीनतम गतिविधियों, स्वास्थ्य पहलों और कल्याण के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता से संबंधित आवश्यक अपडेट के बराबर रखने के लिए यह मंच प्रस्तुत कर रहे हैं।

यह न्यूज़लेटर हमारे स्वास्थ्य पेशेवरों के समर्पण और हमारे पूर्व सैनिक समुदाय के अटूट समर्थन का एक वसीयतनामा है। इस यात्रा को शुरू करत समय, हमारा लक्ष्य ईसीएचएस के साथ आपके संजोग को बढ़ावा देना, प्रेरक कहानियों को साझा करना और ईसीएचएस का सही लाभ उठाने के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान करना है।

इस प्रयास का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। हम एक सजीव और सूचित समुदाय के निर्माण के लिए तत्पर हैं जो स्वास्थ्य और सौहार्द को प्राथमिकता देता है।

भवदीय,

(कौशिक राय)
कर्नल
निदेशक (संचार)
संपादक, ईसीएचएस त्रैमासिक न्यूज़लेटर

हाल के नीति परिवर्तन

मानव संसाधन नीति। ईसीएचएस मानव संसाधन नीति 2024 को केंद्रीय संगठन ईसीएचएस द्वारा 28 दिसंबर 2023 को पर्यावरण के लिए प्रख्यापित किया गया है। संविदात्मक स्टाफ के पारिश्रमिक में वृद्धि सहित पॉलीक्लिनिकों के कार्यकरण में दक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई उपाय प्रस्तावित किए गए हैं और रक्षा मंत्रालय के विचाराधीन हैं।

मौजूदा सेना डाक सेवा (एपीएस) लाभार्थियों के लिए ईसीएचएस सदस्यता। सेना डाक सेवा (एपीएस) के 144 मौजूदा ईसीएचएस लाभार्थियों, जिनके पास 17 नवंबर 2016 से पहले 16/32 केबी ईसीएचएस कार्ड या अस्थायी पर्ची थी और जो अंततः डाक विभाग में प्रत्यावर्तन के बिना सेना डाक सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे, से संबंधित कार्यकारी निर्देश 06 अप्रैल 2023 को सरकारी मंजूरी के आधार पर प्रख्यापित किए गए हैं।

ईसीएचएस सेवा से बाहर निकलने का विकल्प। सरकारी मंजूरी के आधार पर ईसीएचएस सेवा से बाहर निकलने से संबंधित कार्यकारी निर्देश 22 मई 2023 को केंद्रीय संगठन ईसीएचएस द्वारा केवल निम्नलिखित उदाहरणों पर पर्यावरण के लिए प्रख्यापित किए गए हैं: -

- पति या पत्नी किसी अन्य सरकारी संगठन / विभाग में सेवारत है जो अपनी चिकित्सा योजना के तहत चिकित्सा लाभ प्रदान कर रहा है।

- ईसीएचएस लाभार्थी अपनी संबंधित चिकित्सा योजना के तहत चिकित्सा लाभ प्रदान करने वाले किसी अन्य सरकारी संगठन या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में शामिल हो जाता है।

पॉलीक्लिनिक्स का वार्षिक निरीक्षण। क्षेत्रीय केंद्रों, स्टेशन मुख्यालय और वरिष्ठ कार्यकारी चिकित्सा अधिकारी (एस ई एम ओ) के प्रतिनिधियों द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में पॉलीक्लिनिक का वार्षिक निरीक्षण किया जाएगा। इसका उद्देश्य पॉलीक्लिनिकों की कार्यात्मक तत्परता को बढ़ाना है।

अतिरिक्त चिकित्सा अनुमोदनकर्ता। आरसी पर चिकित्सा दावों की समय पर स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक जनशक्ति आबंटन के अलावा क्षेत्रीय केन्द्रों को 25 अतिरिक्त चिकित्सा अनुमोदक आबंटित किए गए हैं।

क्षमता का प्रत्यायोजन। पॉलीक्लिनिकों में संविदात्मक कर्मचारियों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, कार्य अनुभव और आयु सीमा के आधार पर छूट देने की क्षमता अब चीफ ऑफ स्टाफ एरिया/जनरल ऑफिसर कमांडिंग सब एरिया को सौंप दी गई हैं।

स्थायी पॉलीक्लिनिक भवन। रक्षा मंत्रालय ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में 75 स्थानों पर टाइप सी और डी पॉलीक्लिनिक में स्थायी भवनों के निर्माण को मंजूरी दी है। 75 पॉलीक्लिनिकों के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है और 14.80 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

नए/उन्नत पॉलीक्लिनिक। 18 नए पॉलीक्लिनिक खोलने, 42 मौजूदा पॉलीक्लिनिक के उन्नयन और 109 मेडिकल मोबाइल यूनिटों को शामिल करने (पॉलीक्लीनिकों में संबंधित संविदात्मक स्टाफ की वृद्धि सहित) का मामला रक्षा मंत्रालय के विचाराधीन है।

किराए के भवनों के लंबित किराए। एमडी ईसीएचएस ने हाल ही में डीजीडीई से मुलाकात की और किराए के भवनों के लंबित किराए के संबंध में शीघ्र समाधान की मांग की। इस पर अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए प्रभारी पोलीक्लिनिकों को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित रक्षा संपदा अधिकारियों (डीईओ) के साथ तिमाही बैठकें करें ताकि पॉलीक्लिनिक भवन मालिकों को किराए के भुगतान में होने वाले विलंब को कम किया जा सके।

परियोजना ईसीएचएस - स्पर्श

परियोजना ईसीएचएस-स्पर्श का उद्घाटन 10 अक्टूबर 2017 को एडब्ल्यूडब्ल्यूए के अध्यक्ष द्वारा किया गया था ताकि पूर्वसैनिक को ईसीएचएस योजना के लाभों का पूर्ण रूप से उपयोग करने में मदद मिल सके। परियोजना का उद्देश्य ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स में उपचार प्राप्त करने वाले पूर्वसैनिक को सहायता प्रदान करना है। यह एक स्वयंसेवक-संचालित पहल है जो रक्षा बलों, छात्रों और एनसीसी कैडेटों के सेवारत और सेवानिवृत्त समुदायों के स्वयंसेवकों की तलाश करती है। ये स्वयंसेवक पॉलीक्लिनिक्स

का दौरा करने वाले दिग्गजों की सहायता के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। एक स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण करने के लिए, कोई भी ईसीएचएस ऐप के माध्यम से ऐसा कर सकता है।

चिकित्सा उपचार, दावे और एमपैनलमेन्ट

ईसीएचएस में सीडीएल-2023 के कार्यान्वयन निर्देश। केंद्रीय संगठन ईसीएचएस ने दवा की उपलब्धता बढ़ाने और सामान्य और जीवन रक्षक दवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी ईसीएचएस लाभार्थियों के लिए एक सामान्य दवा सूची (सीडीएल-2023) पेश की है। पुरानी प्रणाली में 4500 से अधिक दवाओं की एक विशाल सूची थी, जिससे खरीदते समय प्राथमिकता देने में समस्याएं पैदा हुईं। दवाओं की मौजूदा सूची का पूरा विश्लेषण, उनके चिकित्सीय मूल्य, चिकित्सा आवश्यकता और पूर्वसैनिक के लिए प्रासंगिकता पर विचार किया गया था। विशेषज्ञ-राय और चर्चाओं के आधार पर, लगभग 1500 आवश्यक दवाओं की एक सूची तैयार की गई है।

दवाओं की सोर्सिंग और होम डिलीवरी। सोर्सिंग और सोर्सिंग के लिए अनुरोध प्रस्ताव का मसौदा दवाओं की होम डिलीवरी 'जिसमें 350 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से आठ क्षेत्रीय केंद्रों में एक पायलट परियोजना के प्रस्ताव शामिल हैं, को सहमति के लिए रक्षा मंत्रालय को भेजा गया है।

न्यूनतम मानकों की बेंचमार्किंग। अनुमोदकों और जेडी (स्वास्थ्य सेवा) क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा दावों (मासिक औसत) के प्रसंस्करण के लिए न्यूनतम प्राप्त मानकों के बेंचमार्किंग के बारे में नीति निम्नानुसार अपनाई गई है: -

- **आईपीडी का दावा**। 1000 प्रति माह
- **आईपीडी दावा राशि**। 7.25 करोड़ रुपये प्रति माह
- **ओपीडी का दावा**। 3,500 प्रति माह
- **ओपीडी दावा राशि**। 1 करोड़ रुपये प्रति माह

टियर II और III दूरस्थ रूप से स्थित शहरों में गैर-क्यूसीआई/गैर-एनएबीएच एचसीओ के साथ एमओए के नवीकरण के मामले पर विचार किया गया है।

जांच/फिटमेंट दावे लंबी अवधि लेते हैं। दावों को देरी से प्रस्तुत करने पर मौजूदा नीति के अनुसार, 60 दिनों से अधिक जमा किए गए किसी भी दावे को 30% कटौती के साथ संसाधित किया जाएगा। यह सामने आया है कि कुछ जांचों या कृत्रिम फिटमेंट को निष्पादित करने में अधिक समय लगता है क्योंकि इन्हें कभी-कभी अलग-अलग शहरों में या देश के बाहर भी संसाधित किया जाता है। इस प्रकार, अंतिम रिपोर्ट प्राप्त करने में अधिक समय लग सकता है और बिलों को अपलोड करने में और भी अधिक समय लग सकता है। इसी तरह, प्रोस्थेटिक फिटमेंट को भी अनुकूलित करने और लंबा समय लेने की आवश्यकता होती है, जो 60 दिनों से अधिक हो सकती है। इस प्रकार ज्यादातर, ऐसे बिल एनएमआई में जाते हैं जिन्हें छूट की आवश्यकता होती है। इसलिए, अब से सात दिनों के भीतर दावा प्रस्तुत करने की अवधि उस दिन से शुरू होगी जिस दिन रोगी को रिपोर्ट सौंपी जाती है। प्रोस्थेटिक फिटमेंट के मामले में, सात दिनों की इस अवधि के प्रारंभ के लिए अंतिम फिटमेंट और बिल उत्पादन की तारीख पर विचार किया जाएगा। बिल स्पष्ट रूप से दिखाएगा कि जिस दिन लैब/सेंटर को रेफरल पत्र पेश किया गया था, क्लेम आईडी जनरेट हुई और रिपोर्ट तैयार होने में लंबी देरी का कारण क्या था।

अवलोकन/एनएमआई: व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति के लिए एनए औषधि दावे। प्रचलित पॉलिसी के अनुसार एक दावा आईडी के तहत सभी एनए दवा बिलों की कुल मासिक सीमा एक बार (सामान्य शर्तों) पर 25,000/- रुपये से अधिक नहीं होगी। हालांकि, एक एकल दावा आईडी केवल उसी महीने के दौरान खरीदी गई दवाओं के लिए स्वीकार्य होगी। एक आकस्मिक बिल में कई बिल हो सकते हैं लेकिन कुल राशि 25,000/- रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतिपूर्ति के लिए व्यक्तिगत एनए मेडिसिन बिलों की हार्ड कॉपी या ऑनलाइन दावों को प्रस्तुत करने की नई समय-सीमा निम्नानुसार संशोधित की गई है: -

- दवा बिलों की तारीख के 60 दिनों के भीतर प्रस्तुत किया जाना है।
- 61 दिनों से 180 दिनों के बीच जमा किए गए बिलों के लिए, निदेशक आरसी द्वारा छूट दी जा सकती है।
- 180 दिनों से अधिक जमा किए गए बिलों के लिए, सीओ ईसीएचएस द्वारा छूट दी जा सकती है।

अस्पताल/ नरसिंग होम/नैदानिक केन्द्रों का नामांकन/असूचीकरण। चिकित्सा सुविधाओं के नामांकन/असूचीबद्ध करने के लिए 559वीं स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक 22 नवंबर 2023 को आयोजित की गई थी। विभिन्न विशिष्टताओं के लिए 27 निजी अस्पतालों/ नरसिंग होम और नैदानिक प्रयोगशालाओं को ईसीएचएस के साथ पैनलबद्ध किया गया था। चार निजी/ नरसिंग होमों और नैदानिक केन्द्रों को पैनल से हटाया गया था।

बजटीय और वित्तीय मामले

ईसीएचएस बजट। ईसीएचएस हमारे पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को कुशल और प्रभावी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह योजना एक कैशलेस और कैपलेस है जहां ईसीएचएस के ईएसएम सदस्य चिकित्सा उपचार का लाभ उठाते हैं, जिसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है, और उपचार के लिए किए गए खर्च का भुगतान पैनलबद्ध सुविधाओं को करना पड़ता है। कुशल निधि प्रवाह और नीति समावेश हमारी प्रतिबद्धता की डिलीवरी और हमारे पूर्व सैनिकों की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए समय की आवश्यकता है।

कुल आवंटन। ईसीएचएस के लिए कुल बजटीय आवंटन में वर्ष-दर-वर्ष (YoY) वृद्धि नीचे संलग्न है।

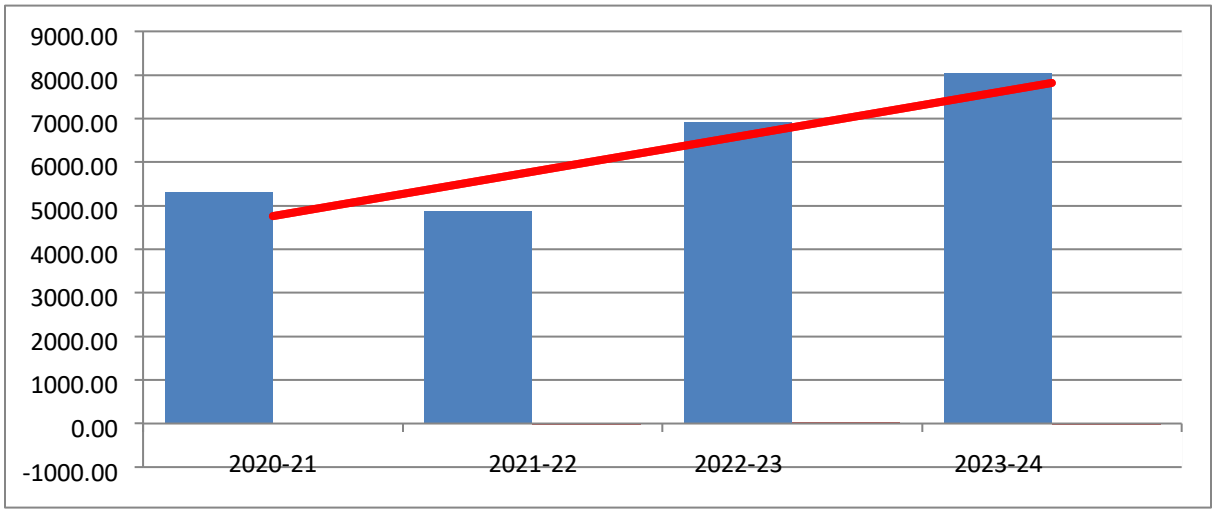

एमटीआरई आवंटन। ईसीएचएस शीर्ष में चिकित्सा उपचार संबंधी व्यय (एमटीआरई) शीर्ष के तहत अस्पताल/व्यक्तिगत भुगतान के लिए बजटीय आवंटन में वर्ष-दर-वर्ष (वाईओवाई) वृद्धि नीचे दी गई है।

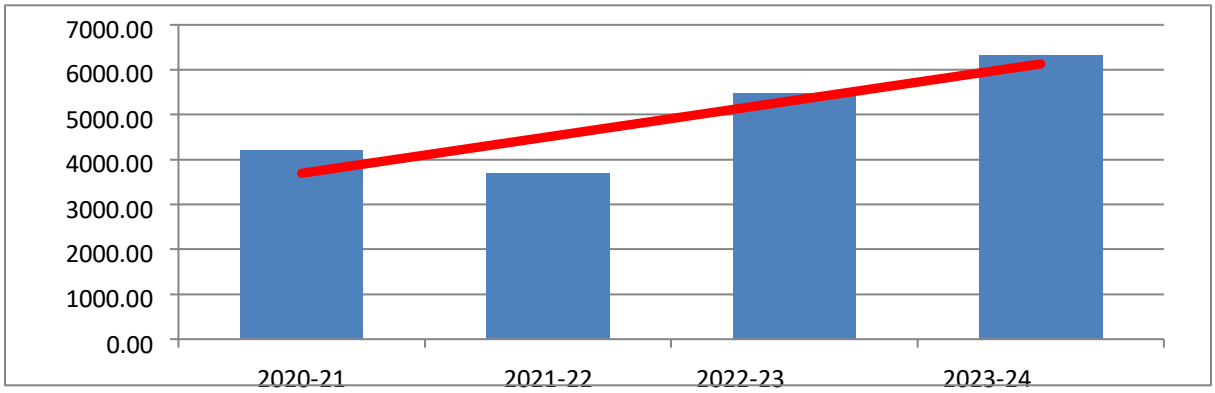

'मेडिकल' हेड आवंटन। ईसीएचएस में चिकित्सा शीर्ष के तहत दवाओं की खरीद के लिए बजटीय आवंटन में वर्ष-दर-वर्ष (वाईओवाई) वृद्धि नीचे दी गई है।

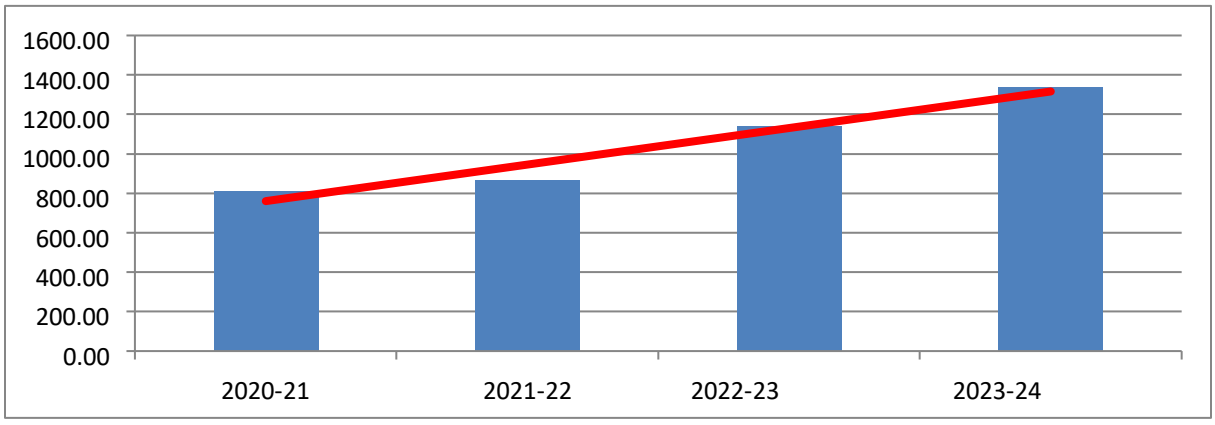

एम्बुलेंस सेवा और डीजी ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स में सेट। सभी ईसीएचएस पॉलीक्लिनिकों को आपातकालीन आवश्यकताओं के लिए एम्बुलेंस और डीजल जनरेटर (डीजी) सेट प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2022 और 2023 के दौरान, 106 एम्बुलेंस खरीदी गईं और उनके परिचालन उपयोग के लिए संबंधित पॉलीक्लिनिक्स को सौंप दी गईं, नेपाल में 03 एमएमयू सहित टाइप-ई पॉलीक्लिनिक के लिए 20 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) खरीदी गईं और दूरदराज के क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए संबंधित पीसी को सौंप दी गईं। इसके अलावा, 21 डीजी सेट खरीदे गए थे और उनके परिचालन उपयोग के लिए संबंधित पॉलीक्लिनिक को सौंप दिए गए थे।

कानूनी मामले

शिकायत/शिकायतों के निवारण के लिए तंत्र। ईसीएचएस में लाभाथयों की शिकायतों/शिकायतों के निवारण के लिए एक मजबूत प्रणाली मौजूद है। लाभार्थी ईसीएचएस वेबसाइट पर जा सकते हैं और शिकायतों को लोड करने की प्रक्रिया को समझने के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की जांच कर सकते हैं।

CPGRAMS पोर्टल का संस्करण CPGRAMS 7.0 में उन्नयन। पोर्टल अब शिकायतकर्ताओं को अपनी शिकायतों/शिकायतों को सीधे अपने संबंधित पॉली क्लिनिक/क्षेत्रीय केंद्र ईसीएचएस को संबोधित करने की अनुमति देता है, यदि वे ऐसा चाहते हैं।

सिस्टम और स्वचालन

ईसीएचएस कार्ड की छपाई। ईसीएचएस कार्डों की छपाई में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे ईसीएचएस लाभार्थियों को ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स और पैनलबद्ध अस्पतालों में निर्बाध चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में सुविधा हुई है। दिसंबर 2023 में लगभग एक लाख कार्ड छपे हैं।

ईसीएचएस लाभार्थियों के मोबाइल ऐप का उन्नयन। ईसीएचएस लाभार्थियों मोबाइल ऐप को अपग्रेड कर दिया गया है और अब इसका उपयोग नवीनतम एंड्रॉइड और आईओएस संस्करणों के साथ उन्नत सुविधाओं के साथ किया जा सकता है।

वार्षिक सत्यापन मॉड्यूल। ईसीएचएस लाभार्थियों को उनके आश्रितों का परेशानी मुक्त सत्यापन की सुविधा के लिए एक वार्षिक सत्यापन मॉड्यूल लागू किया गया है।

CDL और MMF मॉड्यूल फार्मेसी मॉड्यूल के साथ एकीकृत। ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक द्वारा बेहतर दवा सूची प्रबंधन के लिए सीडीएल और एमएमएफ मॉड्यूल को फार्मेसी मॉड्यूल के साथ एकीकृत किया गया है।

पॉलीक्लिनिक्स द्वारा उत्पन्न रेफरल की दृश्यता। ईसीएचएस एप्लिकेशन को रेफरल की बेहतर निगरानी के लिए निदेशक क्षेत्रीय केंद्रों को ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक द्वारा उत्पन्न रेफरल की दृश्यता प्रदान करने के लिए संशोधित किया गया है।

सतर्कता विभाग

ईसीएचएस में धोखाधड़ी-रोधी उपाय। केंद्रीय संगठन ईसीएचएस ने पिछले कुछ समय में धोखाधड़ी के कारणों की पहचान करने और उन्हें समाप्त करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया है। धोखाधड़ी तब होती है जब परिस्थितियां इसके होने के लिए अनुकूल होती हैं। ईसीएचएस ऐसी स्थितियों की पहचान करने और उन्हें प्लग करने के लिए लगन से काम कर रहा है। ईसीएचएस में धोखाधड़ी-रोधी उपायों को सुदृढ़ करने के लिए हाल ही में उठाए गए कदम सफल पैरा में दिए गए हैं।

सीटी ब्लोअर तंत्र। कॉल करने वाले को उजागर किए बिना लाभार्थियों से विवेकपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए केंद्रीय संगठन, ईसीएचएस में एक सतर्कता कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। ऐसे तंत्रों का विवरण सभी पॉलीक्लिनिकों के साथ साझा किया गया है और इसे हर जगह प्रदर्शित किया गया है। इसने हमारे लाभार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों को बिना किसी डर के सतर्कता से संबंधित इनपुट साझा करने में सक्षम बनाया। तंत्र बहुत प्रभावी रहा है और कई अस्पतालों को हमारे लाभार्थियों से इनपुट के आधार पर कदाचार में लिप्त पकड़ा गया है।

लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण। इस कल्याणकारी योजना के दुरुपयोग को रोकने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वास्तविक लाभार्थियों द्वारा योजना का लाभ उठाया जाए, आधार कार्ड का उपयोग करके लाभार्थियों का प्रमाणीकरण भी लागू किया जा रहा है। इससे धोखेबाज योजना का दुरुपयोग नहीं कर पाएंगे ।

लाभार्थियों का वार्षिक सत्यापन। एक समय से कई अनधिकृत व्यक्ति चोरी-छिपे इस योजना का लाभ उठा रहे थे। इससे संगठन के संसाधन खत्म हो रहे थे और वास्तविक लाभार्थी पीड़ित हो रहे थे। तदनुसार, सभी लाभार्थियों के प्रत्यय-पत्रों को वार्षिक रूप से मान्य करने की एक प्रणाली शुरू की गई थी। सिस्टम इसके बाद कई ऐसे फ्रॉड 'लाभार्थियों' को बाहर कर दिया है, जिसके कारण संगठन के बहुत बचत हुई है । प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लगभग 8.5 लाख 'अनधिकृत लाभार्थियों' ने योजना छोड़ दी है।

<u>प्रतिक्रिया तंत्र</u>। उपर्युक्त उपायों ने संगठन को कई गुना मजबूत किया है। ऐसे कई उपायों को लागू किया जा रहा है और इन्हें बाद के न्यूज़ लैटर में अपडेट किया जाएगा। ईसीएचएस में धोखाधड़ी-रोधी तंत्र में सुधार के लिए कोई भी सुझाव निदेशक सतर्कता, ईसीएचएस (दिरविजिलेंस @ echs.gov.in) के ईमेल पते पर साझा किया जा सकता है।

हमारे उल्लेखनीय लाभार्थी

कोर ऑफ सिग्नल्स हवलदार मदन सिंह काजला (सेवानिवृत्त) ने लगभग 8 लाख रुपये की लागत से पीसी सीकर का ढांचागत विकास किया। उनकी परोपकारिता पूर्व सैनिक समुदाय के लिए एक उदाहरण स्थापित करती है।

कमांडर वीके संथानम हेल्पिंग हैंड्स नाम से एक यूट्यूब चैनल होस्ट करते हैं, जिसका उद्देश्य ईसीएचएस नियमों और नीतियों के बारे में दिग्गजों के बीच जागरूकता फैलाना है।